SHODH SAGAR® International Journal for Research Publication and Seminar
ISSN: 2278-6848 | Vol. 15 | Issue 2 | Apr-Jun 2024 | Peer Reviewed & Refereed

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल का तुलनात्मक अध्ययन

अन्नू
निधि यादव
मोनिका

एम.एड. छात्रा, शिक्षा विभाग, बी.पी.एस.एम.वी. खानपुर कलां, सोनीपत।
असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, बी.पी.एस.एम.वी. खानपुर कलां, सोनीपत।
एम.एड. छात्रा, शिक्षा विभाग, बी.पी.एस.एम.वी. खानपुर कलां, सोनीपत।

सारांश

सामाजिक कौशल और जीवन कौशल शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सामाजिक कौशल छात्रों को सामाजिक संबंधों में सहजता और सहयोग कौशल को समझाते हैं, जबकि जीवन कौशल उन्हें आर्थिक प्रबंधन, समस्या समाधान, सम्पर्क स्थापना और स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेने में मदद करते हैं। शिक्षा विद्यार्थियों को इन कौशलों का विकास करके समाज में सफलता प्राप्त करने में मदद करती है, जो उन्हें उनके जीवन में और व्यक्तिगत और पेशेवर स्तर पर सफल बनाने में मदद करता है। वर्तमान शोध अध्ययन प्राथमिक रूप से एक तुलनात्मक अध्ययन था। यह अध्ययन माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल का तुलनात्मक अध्ययन करना था यह नमूना पानीपत के माध्यमिक स्कूलों से लिया गया था। अध्ययन मे छात्रों की सख्यां 50 रखी गईं| अध्ययन छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल तक ही सीमित था। इस अध्ययन के लिए अपनाई गई विधि वर्णनात्मक और सांख्यिकीय प्रकृति की है। वर्तमान अध्ययन के लिए उपयोग किया जाने वाले उपकरण डॉ विशाल सूद ,डॉ आरती आनंद ,सुरेश कुमार द्वारा लिखित “सामाजिक कौशल” नायर ए.आर.के.सुभाश्री, आर रंजन सुनीता द्वारा लिखित “जीवन कौशल”हैं| नतीजों से पता चला है कि 9वीं कक्षा के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल में कोई अंतर नही हैं।

परिचय

शिक्षा एक प्रक्रिया है जिसमें ज्ञान, कौशल, मूल्य और अनुभव को विकसित किया जाता है, जो व्यक्ति को समाज में सफलता और समृद्धि के लिए तैयार करता है। यह शिक्षा स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, और अन्य संस्थानों के माध्यम से या व्यक्तिगत अनुभव के माध्यम से हो सकती है। हर व्यक्ति का अपना कौशल होता है विद्यालय स्तर के विद्यार्थियों के लिए सामाजिक कौशल और जीवन कौशल का विकास महत्वपूर्ण है। सामाजिक कौशल उन्हें समाज में सहयोग, सम्मेलन, और सहभागिता की क्षमता प्रदान करता है, जबकि जीवन कौशल उन्हें अनुशासन, संगठन, और समस्या समाधान की क्षमता सिखाता है। इन कौशलों का सही विकास विद्यार्थियों को सफल और संतुलित जीवन जीने में मदद करता है। शिक्षा प्रणाली छात्रों में जीवन कौशल और सामाजिक कौशल को सिखाने में मदद करता है। स्कूल इन कौशलों को पाठ्यक्रम में समाहित करके विभिन्न तरीकों से छात्रों को सिखाने में मदद करता है। जैसे कि समूह परियोजनाएँ और बाहरी कार्यक्रम। शिक्षक चर्चाओं और गतिविधियों का संचालन कर समस्या समाधान, संचार, समूह कार्य को बढ़ावा देते है स्कूल छात्रों को समुदाय सेवा, स्वयंसेवा कार्य, और नेतृत्व भूमिकाओं में शाम ल होने के अवसर प्रदान कर जिम्मेदारी, और नागरिक संलग्नता को बढ़ावा देते हैं। जीवन कौशल और सामाजिक कौशल शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल करके, स्कूल छात्रों को केवल शैक्षिक सफलता ही नहीं ,उनके व्यक्तिगत जीवन में भी सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करते हैं।

जीवन कौशल

जीवन कौशल एक आजीवन प्रक्रिया है जीवन कौशल वे योग्यताएँ हैं जो लोगों को उनके दैनिक जीवन में अच्छी तरह से कार्य करने में मदद करती हैं जीवन कौशल में कुछ मनोसामाजिक कौशल और क्षमताएं शामिल हैं जो मनुष्य को सक्षम बनाती है गंभीर रूप से सोचने के लिए प्रभावी ढंग से बात करने के लिए दुसरों के साथ सहानुभूति रखने में और जीवन के तनाव का सामना करने में जीवन कौशल मदद करता है यह छात्रों को चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में खुद को सशक्त बनाने में मदद करता है और जीवन की योग्यताओं को समझने में महत्तवपूर्ण भूमिका निभाती है जीवन कौशल सकारात्मक व्यवहार हेतु ऐसी योग्यताएँ हैं जो दैनिक जीवन की माँगों और चुनौतियों का प्रभाव पूर्ण रूप से सामना करने में मदद करता है|

“जीवन कौशल अनुकूली और अच्छे व्यवहार की शक्ति है जो क़ाबिल बनाता है व्यक्तियों को जीवन की परेशानी से निपटने के लिए|”

सामाजिक कौशल

सामाजिक कौशल वे कौशल हैं जिनका उपयोग हम दूसरों के साथ बातचीत और संवाद करने के लिए प्रतिदिन करते हैं। इनमें मौखिक और गैर-मौखिक संचार शामिल हैं, जैसे भाषण, हावभाव, चेहरे की अभिव्यक्ति | किसी भी व्यक्ति के पास अगर सामाजिक कौशल मजबूत है तो सामाजिक परिस्थितयों में कैसा व्यवहार करना है उसे भली भांति पता होता है सामाजिक कौशल से तात्पर्य है कि हमने अन्य मित्रों और परिवार के साथ मिलकर सामाजिक संचार को कैसे प्रबंधित किया, यह सबसे जटिल कार्यों में से एक है जिनका उपयोग मनुष्य द्वारा सामाजिक गठन और अन्य प्रेरणा में अन्य दो समर्थन स्थितियों के साथ कॉर्पोरेट और संवाद करने के लिए किया जाता है।**"सामाजिक कौशल उस शक्ति को कहा है जो समाज की परेशानियों से निपटने में सक्षम बनाती हैं।"**

जीवन कौशल और सामाजिक कौशल का महत्व

जीवन कौशल

यदि जीवन को सफलतापूर्वक जीना चाहते हैं तो हमें जीवन कौशल के महत्व को समझना होगा। जीवन कौशल हमें यह जानने में सक्षम बनाता है कि हम अपने जीवन को कैसे आसान और सरल बना सकते हैं जीवन कौशल हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं।जीवन कौशल के अभाव के कारण न केवल व्यक्तिगत जीवन बल्कि पेशेवर जीवन और करियर भी प्रभावित होता है।जीवन कौशल की शिक्षा देकर विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित किया जा सकता है। यह उन्हें सहयोगी और संचारी बनाता है। यह उन्हें किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति में कार्रवाई करने के लिए तैयार करता है।

जीवन कौशल के प्रकार

दो प्रकार के जीवन कौशल हैं जिन्हें छात्रों को सिखाया जाना आवश्यक है।

1. सामान्य जीवन कौशल
2. उच्च स्तरीय कौशल।

सामाजिक कौशल

शिक्षा में सामाजिक कौशलों का महत्व अत्यधिक है। ये कौशल छात्रों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक होते हैं। सामाजिक कौशलों के माध्यम से वे अपनी विचारों को सही तरीके से व्यक्त करना सीखते हैं शिक्षा में समाजिक कौशलों को विकसित करने से छात्र अधिक सक्षम, सहयोगी बनते हैं, जो उन्हें अधिक उत्कृष्ट नागरिक बनाता है।इसके अलावा, सही सामाजिक कौशलों के होने से वे अधिक मनोबल और आत्म-विश्वास के साथ अपने जीवन को सफल और संतुष्ट महसूस कर सकते हैं।

सामाजिक कौशल और जीवन कौशल के बीच संबंध

शिक्षा में सामाजिक कौशल और जीवन कौशल के बीच संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं। सामाजिक कौशल में अन्यों के साथ सहयोगपूर्ण रूप से व्यवहार करना शामिल है। जीवन कौशल भी यही सामर्थ्यों को सम्मिलित करते हैं, जीवन कौशल में समस्त संभावित परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता भी शामिल है। अध्ययन के दौरान अध्यापकों और सहयोगियों के साथ मजबूत संबंध बनाना एक साथी शैक्षिक वातावरण बनाता है कौशल न केवल व्यक्तिगत कल्याण में सहायक होते हैं बल्कि एक सकारात्मक और समावेशी विद्यालय संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

जीवन कौशल और सामाजिक कौशल की तुलना

शिक्षा में सामाजिक कौशल और जीवन कौशल की तुलना करते समय, दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, सामाजिक कौशल उन सहयोग, और सम्मान के मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जो छात्रों को समाज में सफलता प्राप्त करने में मदद करते हैं। इसमें सम्मान, सहयोग शामिल होते है दोनों ही शिक्षा में बहुत महत्वपूर्ण है|

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

यादव, पी., और इकबाल, एन. (2009) "किशोरों में आत्म-सम्मान, समायोजन और सहानुभूति पर जीवन कौशल प्रशिक्षण का प्रभाव" इस प्रकार यह पता चला कि जीवन कौशल प्रशिक्षण किशोरों को सहायक वातावरण प्रदान करके उनके दृष्टिकोण, विचार और व्यवहार में बदलाव लाने में सकारात्मक परिणाम दिखाता है।

फ़रेशतेह कोर्डेस्तानी, आज़म दानेशफ़र, दावूद रूस्ताई 2014 "दृश्य समस्याओं वाले छात्रों (नेत्रहीन और आंशिक रूप से नेत्रहीन) और सामान्य छात्रों के बीच जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक कौशल की तुलना" परिणामों से पता चला कि सामान्य लोगों में अंधे लोगों की तुलना में जीवन की गुणवत्ता बेहतर थी। आंशिक रूप से अंधे लोगों के जीवन की गुणवत्ता और अंधे और सामान्य लोगों के जीवन की गुणवत्ता के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। सामान्य लोगों का सामाजिक व्यवहार आंशिक रूप से अंधे और अंध लोगों की तुलना में बेहतर था। अन्य कारकों के संदर्भ में, आंशिक रूप से अंधे और नेत्रहीन लोगों के सकारात्मक सामाजिक व्यवहार के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। हालाँकि, आंशिक रूप से अंधे और दृष्टिहीन लोगों की तुलना में सामान्य लोगों का नकारात्मक सामाजिक व्यवहार कमजोर था। आंशिक रूप से अंधे लोगों का नकारात्मक सामाजिक व्यवहार अंधे लोगों की तुलना में कमजोर था।

मीनू दाराई, कीवन सालेही, मरियम फखर 2016 "सामान्य और प्रतिभाशाली स्कूलों में छात्रों के बीच सामाजिक कौशल की तुलना"परिणामों से पता चला कि प्रतिभाशाली स्कूलों के छात्र उपयुक्त सामाजिक कौशल में काफी अधिक हैं और अति आत्मविश्वासी हैं, लेकिन अन्य घटकों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं देखा गया। उपयुक्त सामाजिक कौशल सिखाना और सामाजिक संपर्क बढ़ाने वाले अवसर और अनुभव प्रदान करना छात्रों को जीवन के सभी वातावरणों और स्थितियों में सामाजिक रणनीतियों और कौशलों का अभ्यास करने और लागू करने की अनुमति देता हैं।

मिशाल, एएच (2016) " बी.एड. में शिक्षक प्रशिक्षुओं के आत्मसम्मान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के जीवन कौशल प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का अध्ययन। लेवल-पायलट अध्ययन" पायलट अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि शोधकर्ता द्वारा विकसित 'प्रशिक्षण कार्यक्रम' का जीवन कौशल प्रशिक्षण बी.एड. में शिक्षक प्रशिक्षुओं के आत्मसम्मान पर प्रभावी था। स्तर।

ओमर गोकेल, गोकमेन डागली 2017 "युवा लोगों के सामाजिक कौशल पर सामाजिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव" यह निष्कर्ष निकाला गया कि सामाजिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रतिभागियों के सामाजिक कौशल स्तर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सईदेह बेहोज़-सरचेशमेह, मसूद करीमी, फ़रीदेह महमौदी, परवनेह शघाघी, सेय्येदेह सोमय्याह जलील-अबकेनार 2017 "बौद्धिक विकलांगता वाले हाई स्कूल के छात्रों के सामाजिक कौशल पर जीवन कौशल के प्रशिक्षण का प्रभाव" इस अध्ययन के परिणाम बौद्धिक विकलांगता वाले हाई स्कूल के छात्रों के सामाजिक कौशल पर सहयोग, दावा और आत्म-नियंत्रण सहित जीवन कौशल प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का समर्थन करते हैं।

स्मिता, एमवीटी, और थॉमस, एमवी (2018) "स्नातकोत्तर छात्रों के बीच जीवन कौशल के बारे में जागरूकता पर एक अध्ययन" अध्ययन से पता चला है कि लिंग, आयु, परिवार के प्रकार, विषयों या धाराओं और वैवाहिक स्थिति के संबंध में स्नातकोत्तरों के जीवन कौशल जागरूकता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। शिक्षा में जीवन कौशल के अनुप्रयोग 21वीं सदी में स्वचालित रूप से एक छात्र-केंद्रित स्कूल वातावरण प्रदान करेंगे। वर्तमान पेपर शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में प्रभावशीलता के लिए स्नातकोत्तर छात्रों के बीच जीवन कौशल के बारे में जागरूकता की खोज करके शिक्षण और सीखने की पद्धति को बदलने में जीवन कौशल की भूमिका और प्रभाव को दर्शाता है।

एम सुसवंदारी, सिसवंदारी सिसवंदारी, सुनारदी सुनारदी, गुनरहदी गुनरहदी 2020 "प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए सामाजिक कौशल: वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित पाठ्यक्रम को लागू करने के लिए विश्लेषण की आवश्यकता है" परिणाम बताते हैं कि 35% छात्रों के पास सामाजिक कौशल में अच्छी महारत है, जबकि शेष 65% छात्रों (13) ने कक्षा में सामाजिक

कौशल में ठोस महारत का प्रदर्शन नहीं किया। डेटा का तात्पर्य है कि प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के सामाजिक कौशल अभी भी सीमित हैं, जिसके कारण 2013 के पाठ्यक्रम में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का कार्यान्वयन इष्टतम से कम हो सकता है।

डे, एस., पात्रा, ए., गिरी, डी., वर्गीस, एलए, और इडिकुल्ला, डी. (2022) "माध्यमिक विद्यालयों में जीवन कौशल शिक्षा की स्थिति-एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन" परिणाम से प्राप्त हुआ जीवन कौशल शिक्षा के माध्यम से प्रशिक्षण देने से किशोरों को जीवन में चुनौतियों पर काबू पाने में मदद मिलेगी।

सुनीता देवी(2022) "माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की आत्म-धारणा और सामाजिक कौशल के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन" परिणाम से पट चला है कि आत्म-धारणा और सामाजिक कौशल का आत्म-धारणा पर महत्वपूर्ण अंतर है।

बुस्नावीर बुस्नाविर, कोदिरुन कोदिरुन, नाना सुमर्ना, ज़ुल्हम अल्फ़ारी 2023 " गणितीय साक्षरता क्षमता पर सामाजिक कौशल और डिजिटल साक्षरता के स्वभाव के प्रभाव का विश्लेषण" परिणामों से पता चला कि छात्रों की गणितीय साक्षरता कौशल सामग्री और संदर्भ संकेतकों पर बेहतर थी, लेकिन वे योग्यता और प्रक्रिया संकेतकों पर कमजोर थे। छात्रों के सामाजिक कौशल सहकर्मी-संबंध कौशल और स्व-प्रबंधन कौशल के संकेतकों पर बेहतर होते हैं, लेकिन शैक्षणिक कौशल और अनुपालन कौशल के संकेतकों पर भी कमजोर होते हैं। डिजिटल साक्षरता स्वभाव की महारत इंटरनेट खोज, सामग्री मूल्यांकन और सूचना साझाकरण संकेतकों पर बेहतर होती है लेकिन ज्ञान संयोजन पर अभी भी कमजोर है। इसके अलावा, यह पाया गया कि (ए) सामाजिक कौशल का डिजिटल साक्षरता स्वभाव पर सीधा प्रभाव पड़ता है लेकिन गणितीय साक्षरता कौशल पर सीधे प्रभाव नहीं पड़ता है; (बी) डिजिटल साक्षरता स्वभाव का गणितीय साक्षरता कौशल पर सीधा प्रभाव पड़ता है। गणितीय साक्षरता क्षमता पर सामाजिक कौशल और डिजिटल साक्षरता के स्वभाव के प्रभाव का विश्लेषण।

अध्ययन का औचित्य

माध्यमिक स्तर के शिक्षा में सामाजिक कौशल और जीवन कौशल दोनों ही छात्रों के संपूर्ण विकास और सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। सामाजिक कौशल जैसे संचार, सहानुभूति, सकारात्मक संबंध बनाने और सामाजिक परिवेश में संचालन करने के लिए आवश्यक होते हैं, जबकि जीवन कौशल, जैसे समस्या का समाधान, निर्णय लेना, और वित्तीय साक्षरता, छात्रों को वयस्कता में जरूरी व्यावहारिक क्षमताओं से लैस करते हैं। इन दोनों को माध्यमिक शिक्षा में शामिल करना छात्रों को आगे बढ़ने के लिए एकांतर क्षमताओं को विकसित करने में मदद

करता है। इसके अतिरिक्त, इन कौशलों को साथ में सिखाने से पूर्णतया विकास होता है और छात्रों को विभिन्न चुनौतियों का सामर्थ्य पूर्ण रूप से सामना करने के लिए तैयार किया जाता है। इस अध्ययन का उदेश्य माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल का तुलनात्मक अध्ययन करना है|

समस्या का विधान

माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल का तुलनात्मक अध्ययन

प्रमुख पद की परिचालनात्मक परिभाषा

जीवन कौशल "कार्यों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने, समस्याओं का समाधान करने, और व्यक्तिगत और पेशेवर लक्ष्यों को हासिल करने के लिए आवश्यक नैपुण्य और क्षमताएँ।"

सामाजिक कौशल "विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों में अन्य लोगों के साथ प्रभावी रूप से आचरण और संचार करने की क्षमता"

अध्ययन के चर

आश्रित चर: जीवन कौशल

स्वतंत्र चर: सामाजिक कौशल

अध्ययन का उद्देश्य

- 9वीं कक्षा के छात्रों के जीवन कौशल का अध्ययन करना।
- 9वीं कक्षा के छात्रों के सामाजिक कौशल का अध्ययन करना|
- 9वीं कक्षा के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल का तुलनात्मक अध्ययन करना|

अध्ययन की परिकल्पना

- 9वीं कक्षा के छात्रों के जीवन कौशल में कोई अंतर नहीं होगा |
- 9वीं कक्षा के छात्रों के सामाजिक कौशल में कोई अंतर नहीं होगा |
- 9वीं कक्षा के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल में कोई खास अंतर नहीं होगा |

अनुसंधान क्रिया विधि

वर्तमान अध्ययन वर्णनात्मक विधि के साथ वर्तमान अध्ययन विवरण की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की जीवन कौशल और सामाजिक कौशल के बीच तुलनात्मक अध्ययन करेंगे|

जनसंख्या और नमूना

माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 9वीं के 50 छात्रों का एक नमूना चुना जाएगा, उनका चयन यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक के माध्यम से किया जाएगा।

उपयोग किये जाने वाले उपकरण

डॉ विशाल सूद ,डॉ आरती आनंद ,सुरेश कुमार द्वारा लिखित "**सामाजिक कौशल"**

नायर ए.आर.के.सुभाश्री आर,रंजन सुनीता द्वारा लिखित **"जीवन कौशल"**

सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया

- माध्य,
- टी परीक्षण
- मानक विचलन

परिणाम और चर्चा

उद्देश्य

9वीं कक्षा के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए परिकल्पना 9वीं कक्षा के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल में कोई खास अंतर नहीं होगा |

चर	कक्षा	N	माध्य	मानक विचलन	टी- टेस्ट
जीवन कौशल	9	50	318.9460099	34.60600986	0.000876807
सामाजिक कौशल	9	50	339.3660099	23.91102555	

डेटा से पता चलता हैं कि 9वी कक्षा के बच्चों के जीवन कौशल में माध्य 318.9460099 है और मानक विचलन 34.60600986 हैं और सामाजिक कौशल का माध्य 339.3660099 है और मानक विचलन 23.91102555 हैं। जीवन कौशल और सामाजिक कौशल में टी टेस्ट का मान 0.000876807 हैं। इससे यह पता चलता है कि 9 वी कक्षा के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल में कोई अंतर नही हैं। इसलिए परिकल्पना 9वीं कक्षा के छात्रों के जीवन कौशल और सामाजिक कौशल में कोई खास अंतर नहीं होगा, स्वीकार्य हैं।

अध्ययन का परिसीमन

- वर्तमान अध्ययन को केवल माध्यमिक विद्यालय के 50 छात्रों तक सीमित किया गया हैं।
- वर्तमान अध्ययन केवल परिवर्तनीय जीवन कौशल और सामाजिक कौशल तक ही सीमित हैं।
- वर्तमान अध्ययन केवल पानीपत जिले तक सीमित किया गया हैं।

सन्दर्भ

यादव, पी., और इकबाल, एन. (2009)। किशोरों में आत्म-सम्मान, समायोजन और सहानुभूति पर जीवन कौशल प्रशिक्षण का प्रभाव। जर्नल ऑफ़ द इंडियन एकेडमी ऑफ़ एप्लाइड साइकोलॉजी , 35 (10), 61-70।

कोर्डेस्टानी, एफ., दानेशफ़र, ए., और रूस्टेई, डी. (2014)। दृश्य समस्याओं वाले छात्रों (नेत्रहीन और आंशिक रूप से नेत्रहीन) और सामान्य छात्रों के बीच जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक कौशल की तुलना। प्रगतिशील शिक्षा और विकास में अकादमिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल , 3 (4), 384-391।

दाराई, एम., सालेही, के., और फखर, एम. (2016)। साधारण और प्रतिभाशाली स्कूलों में छात्रों के बीच सामाजिक कौशल की तुलना। यूरोपियन प्रोसीडिंग्स ऑफ सोशल एंड बिहेवियरल साइंसेज।

मिशाल, एएच (2016)। बी.एड. में शिक्षक प्रशिक्षुओं के आत्मसम्मान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के जीवन कौशल प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का अध्ययन। लेवल-पायलट अध्ययन। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन टीचर एजुकेशन , 7 (2), 9-17।

गोकेल, ओ., और डेगली, जी. (2017)। युवा लोगों के सामाजिक कौशल पर सामाजिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रभाव। गणित, विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा के यूरेशिया जर्नल , 13 (11), 7365-7373।

बेह्होज़-सरचेशमेह, एस., करीमी, एम., महमौदी, एफ., शघाघी, पी., और जलील-अबकेनार, एसएस (2017)। बौद्धिक विकलांगता वाले हाई स्कूल के छात्रों के सामाजिक कौशल पर जीवन कौशल के प्रशिक्षण का प्रभाव। क्लिनिकल साइकोलॉजी में अभ्यास , 5 (3), 177-186।

सुसवंदारी, एम., सिसवंदारी, एस., सुनारदी, एस., और गुनरहदी, जी. (2020)। प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए सामाजिक कौशल: वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित पाठ्यक्रम को लागू करने के लिए विश्लेषण की आवश्यकता है। जर्नल ऑफ सोशल स्टडीज एजुकेशन रिसर्च , 11 (1), 153-162।

डे, एस., पात्रा, ए., गिरी, डी., वर्गीस, एलए, और इडिकुल्ला, डी. (2022)। माध्यमिक विद्यालयों में जीवन कौशल शिक्षा की स्थिति-एक मूल्यांकनात्मक अध्ययन। ऑनलाइन इंटरनेशनल इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च जर्नल , 12 (1), 76-88।

बुस्नावीर, बी., कोडिरुन, के., सुमर्ना, एन., और अल्फ़ारी, ज़ेड. (2023)। गणितीय साक्षरता क्षमता पर सामाजिक कौशल और डिजिटल साक्षरता के स्वभाव के प्रभाव का विश्लेषण। यूरोपियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च , 12 (1)।

देवी, एस. (2022)। माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की आत्म-धारणा और सामाजिक कौशल के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन। ईपीआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आईजेआरडी) , 7 (8), 62-67।